PRESS RELEASE

LOK SABHA SPEAKER, UNION MINISTERS AND MEMBERS OF PARLIAMENT PAY FLORAL TRIBUTES TO DR. SYAMA PRASAD MOOKERJEE ON HIS BIRTH ANNIVERSARY/लोक सभा अध्यक्ष, केंद्रीय मंत्रियों और संसद सदस्यों ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की

…

New Delhi; 06 July 2025: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla paid floral tributes at the portrait of Dr. Syama Prasad Mookerjee in Samvidhan Sadan on his Birth Anniversary, today.

Union Minister for Health & Family Welfare and Chemicals & Fertilizers Shri J. P. Nadda; Union Minister for Railways, Information & Broadcasting and Electronics & Information Technology Shri Ashwini Vaishnaw; Deputy Chairman, Rajya Sabha, Shri Harivansh; Members of Parliament, former Members and other dignitaries also paid floral tributes to Dr. Mookerjee on this occasion.

https://x.com/ombirlakota/status/1941736405417459914

https://x.com/LokSabhaSectt/status/1941743819554279575?t=10MEi5Qfe7N8YaQGwHxC-g&s=08

Secretary General, Lok Sabha, Shri Utpal Kumar Singh and Secretary General, Rajya Sabha, Shri P. C. Modi also paid floral tributes to Dr. Mookerjee.

A booklet containing the profile of Dr. Mookerjee, brought out by the Lok Sabha Secretariat in Hindi and English, was presented to the dignitaries who attended the function.

Dr Syama Prasad Mookerjee (1901–1953) was a distinguished Indian politician, barrister, educationist, and social reformer. In 1934 he became the youngest Vice-Chancellor of Calcutta University at the age of 33. Dr. Mookerjee played a vital role in providing humanitarian relief during the Bengal famine in 1943. He also served as independent India’s first Minister for Industry and Supply. He also laid the foundation for India’s industrial development by establishing three major

public sector undertakings, Chittaranjan Locomotive Factory, the Sindri Fertilizer Corporation, and the Hindustan Aircraft Factory (now Hindustan Aeronautics Limited). A staunch advocate of national unity, his legacy is defined by his unwavering commitment to education, nationalism, and the vision of a united and strong India.

The portrait of Dr. Syama Prasad Mookerjee was unveiled by the then President of India, Shri R. Venkataraman, in the Central Hall of Samvidhan Sadan (erstwhile Parliament House) on 31 May, 1991, in recognition of his outstanding services to the nation.

नई दिल्ली; 06 जुलाई 2025: लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने आज डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर संविधान सदन में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री, श्री जे.पी. नड्डा; केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव; राज्य सभा के उपसभापति, श्री हरिवंश; संसद सदस्यों, पूर्व सदस्यों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी इस अवसर पर डॉ. मुखर्जी को पुष्पांजलि अर्पित की।

https://x.com/ombirlakota/status/1941736405417459914

https://x.com/LokSabhaSectt/status/1941743819554279575?t=10MEi5Qfe7N8YaQGwHxC-g&s=08

लोक सभा के महासचिव, श्री उत्पल कुमार सिंह और राज्य सभा के महासचिव, श्री पी.सी. मोदी ने भी डॉ. मुखर्जी को पुष्पांजलि अर्पित की।

लोक सभा सचिवालय द्वारा डॉ. मुखर्जी के जीवन परिचय पर हिंदी और अंग्रेजी में प्रकाशित पुस्तिका समारोह में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों को भेंट की गई।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी (1901-1953) एक सुविख्यात राजनीतिज्ञ, बैरिस्टर, शिक्षाविद् और समाज सुधारक थे। 1934 में वे 33 वर्ष की आयु में कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे कम उम्र के कुलपति बने। डॉ. मुखर्जी ने 1943 में बंगाल के अकाल के दौरान राहत प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे स्वतंत्र भारत के पहले उद्योग और आपूर्ति मंत्री भी रहे। उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र के तीन प्रमुख उपक्रमों, अर्थात चित्तरंजन लोकोमोटिव फैक्ट्री, सिंदरी फर्टिलाइजर कॉर्पोरेशन और हिंदुस्तान एयरक्राफ्ट फैक्ट्री (अब हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड) की स्थापना करके भारत के औद्योगिक विकास की नींव रखी। राष्ट्रीय एकता के प्रबल समर्थक, डॉ मुखर्जी की विरासत शिक्षा, राष्ट्रवाद और एकजुटता तथा सशक्त भारत के दृष्टिकोण के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता है।

राष्ट्र के प्रति डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की उत्कृष्ट सेवाओं के सम्मान में उनके चित्र का अनावरण भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति श्री आर. वेंकटरमन ने 31 मई, 1991 को संविधान सदन (तत्कालीन संसद भवन) के केंद्रीय कक्ष में किया था।